[This question Paper contains 2 printed pages.]

Roll No.	**:**	**.....**
Unique Paper Code	**:**	**121302403**
Title of the Paper	**:**	**EC-B 401: ब्रह्मसूत्र (Brahmasūtra)**
Name of the Course	**:**	**MA Sanskrit LOCF Examination, May 2022**
Semester	**:**	**IV**
Duration	**:**	**03 HRS**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or **Hindi** or in **English.**

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए।

1. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 7x4=28
Explain the following with reference to the context:

(क) स्वाध्यायानन्तर्यं तु समानम् । नन्विह कर्मावबोधानन्तर्यं विशेष: ।

अथवा / Or

न धर्मजिज्ञासायामिव श्रुत्यादय एव प्रमाणम्, ब्रह्मजिज्ञासायाम्; किन्तु श्रुत्यादयोऽनुभवादयश्च यथासम्भवमिह प्रमाणम् ।

(ख) अखिलभुवनजन्मस्थेमभंगादिलीले विनतविविधभूतव्रातरक्षैकदीक्षे ।
श्रुतिशिरसि विदीप्ते ब्रह्मणि श्रीनिवासे भवतु मम परस्मिन् शेमुषी भक्तिरूपा ।।

अथवा / Or

अत्रायमथशब्द आनन्तर्ये भवति । अतः शब्दो वृत्तस्य हेतुभावे ।

(ग) एतेन योगः प्रत्युक्त: **अथवा/or** भावे चोपलब्धे:

(घ) उपपद्यते चाप्युपलभ्यते च **अथवा/or** लोकवत्तु लीलाकैवल्यम्

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक **<u>संस्कृत</u>** में हो: 5+5+5+7=22

Write notes on the following in which one must be in **<u>Sanskrit</u>**:

(क)	अख्याति	**अथवा/or**	शास्त्रयोनि
(ख)	विशिष्टाद्वैत	**अथवा/or**	पुरुषोत्तम
(ग)	इतरव्यपदेश	**अथवा/or**	वैषम्य-नैर्घृण्य दोष
(घ)	सत्कार्यवाद	**अथवा/or**	माहेश्वरमत

3. (क) आचार्य शंकर के अनुसार 'अध्यास' के स्वरूप का विवेचन कीजिए। 10x2=20

Discuss the concept of **'**Adhyāsa' according to Āchārya Śaṅkara.

अथवा/ or

आचार्य शंकर कृत 'प्रधानकारणवाद' का प्रत्याख्यान प्रस्तुत कीजिए।

Present the refutation of 'Pradhānkāraṇvāda' according to Āchārya Śaṅkara

(ख) आचार्य रामानुज के अनुसार 'ध्रुवानुस्मृति' के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

Discuss the concept of 'Ḍhruvānusmriti' according to Āchārya Rāmānuja.

अथवा / or

शांकरभाष्य एवं श्रीभाष्य के आधार पर 'पाञ्चरात्र मत' की समीक्षा कीजिए।

Critically evaluate the 'Pāńcrātra doctrine' on the basis of Śāṅkarbhāṣya and Śrībhāṣya.